गुरूवार
19 अक्टूबर 2023

पृष्ठ 4

प्रधानमंत्री मोदी का लिखा गाना गरबो हुआ रिलीज, ध्वनि भानुशाली ने दी आवाज

पृष्ठ 5

अरवेब सीरीज आर्या 3 का ट्रेलर जारी, जबरदस्त एक्शन करती दिखीं सुष्मिता सेन

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 249
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

दुख और वेदना के अथाह सागर वाले इस संसार में प्रेम की अत्यधिक आवश्यकता है।
—डॉ रामकुमार वर्मा

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

निवेशकों के मन में उत्तराखंड आने के लिए है आकर्षण: धामी

अबूधाबी में हुए 54 करोड़ से अधिक के एमओयू

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में मीडिया से वार्ता करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के तहत पहले लंदन, बर्मिंघम, दिल्ली में तथा अभी दुबई और अबू धाबी में विभिन्न निवेशक समूहों के साथ बैठकें हुई। पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, फार्मा, कृषि, एग्रो के क्षेत्र में निवेशकों से काफी करार हुए हैं।

निवेशकों का उत्तराखण्ड आने के लिए और निवेश के लिए मन में आकर्षण है। उन्होंने कहा कि हजारों करोड़ के निवेश पर दुबई और आबू धाबी में करार हुआ है। इसके अलावा काफी प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं। देश के अन्य शहरों में भी निवेशकों के साथ संवाद और रोड शो किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि 08-09 दिसम्बर 2023 को देहरादून में प्रस्तावित इन्वेस्टर्स समिट तक अभी तक हुए सभी करारों को धरातल पर उतारने का कार्य हो। उन्होंने कहा कि विभिन्न बैठकों में जो भी सुझाव प्राप्त हो रहे हैं, उन सुझावों पर भी अमल किया जायेगा। जो भी करार हुए हैं और प्रस्ताव आये हैं, राज्य के लिए कौन से उपयोगी हैं और भविष्य में फायदेमंद हो सकते हैं, उनका पूरा आंकलन कर आगे कार्य किये जायेंगे। निवेश के साथ-साथ स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले और प्राथमिक सेक्टर को मजबूत बनाने वाले प्रस्तावों एवं करारों को प्राथमिकता के आधार पर प्रोत्साहित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने जो भी नीतियां बनाई हैं, निवेशकों, उद्योगों एवं उत्तराखण्ड के लोगों के हितों को ध्यान में रखकर बनाई हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि दो दिवसीय यूएई दौरे के दौरान कुल मिलाकर पंद्रह हजार चार सौ पच्चहत्तर करोड़ (15475 करोड) के इन्वेस्टमेंट एमओयू किए गए। जिसके तहत पहले दिन दुबई में 11925 करोड़ एवं दूसरे दिन अबू धाबी में 3550 करोड़ के इन्वेस्टमेंट एमओयू शामिल हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

नार्को आतंकी माड्यूल का उत्तराखंड कनेक्शन, दो अपराधी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। नाको आतंकी मॉड्यूल के उत्तराखंड कनेक्शन का खुलासा करते हुए एसटीएफ व जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा ज्वाइंट आपेरशन कर दो अपराधियों को उधम सिंह नगर से गिरफ्तार कर लिया गया है। जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा पकड़ी गयी करोड़ो रूपये की कोकीन में संलिप्त अपराधियों के नेटवर्क में शामिल इन दोनों दोनो बदमाशों से भारी मात्रा में नकली कागजात, मोहरे व उपकरण भी बरामद किये गये है।

एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा इस पूरे आपरेशन की जानकारी देते हुए बताया गया कि विगत माह 30 सितम्बर को जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा दो आरोपियों को रामबन जिले से गिरफ्तार कर कई करोड़ों रूपये की 34 किलोग्राम कोकीन (हेरोइन) बरामद की गई थी। जिसके साथ ही एक नार्को- आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया था, आरोपियों द्वारा बरामद की गयी कोकीन उत्तरी कश्मीर से पंजाब लायी जा रही थी। शुरूवाती जांच में जम्मू-कश्मीर पुलिस को जानकारी हुयी कि बरामद

कोकीन सीमा पार से लायी गई थी और पकड़े गये तस्करों द्वारा तलाशी नाकों पर चौकिंग से बचने के लिये फर्जी कागजात व फर्जी नम्बर प्लेटों का इस्तेमाल किया था। जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये गये तस्कर के पंजाब स्थित मकान से 38 फर्जी नम्बर प्लेटें, कई फर्जी पंजीकरण प्रमाण पत्र, नकली पासपोर्ट नकद 5:30 करोड़ रुपये तथा 1 रिवाल्वर बरामद किये गये थे। पूछताछ में उन्होंने बताया कि ये फर्जी कागजात व नम्बर प्लेटें जनपद ऊधमसिंह नगर उत्तराखण्ड में बनाये गयें है।

एसएसपी एसटीएफ ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा इस इनपुट को उत्तराखण्ड एसटीएफ से साझा किया गया था, जिस पर एसटीएफ कुमाऊं रेज द्वारा

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

कौन है वह लोग जिन्होंने प्रधानमंत्री की छवि को लगाया बट्टा, कराई किरकिरी: गरिमा

देहरादून। उत्तराखंड सरकार द्वारा पिथौरागढ़-लोहाघाट-चंपावत ट्रांसमिशन की जिस लाइन का लोकार्पण 12 अक्तूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कर कमलों से कराया गया, उसको लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इस खबर के सामने आते ही उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने उत्तराखंड सरकार को आड़े हाथों लिया है।

दसौनी ने कहा की लानत है ऐसे विभागीय अधिकारी और समूची सरकार पर जिनकी कारगुजारी ने प्रधानमंत्री जैसे रसूखदार पद की किरकिरी और मखौल पूरे देश के सामने उड़ा कर रख दिया। दसौनी ने कहा कि भाजपा की हमेशा से आदत गरम-गरम खाने की है और इस बार इसी आदत के चलते वह अपना मुंह जलाये बैठी है।

दसौनी ने कहा कि बड़े गाजे बाजे के साथ उत्तराखंड देवभूमि में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया गया। कैसी विडंबना है की उसी देवभूमि ने आज प्रधानमंत्री कि समूचे देश में खिल्ली उड़ा कर रख दी। दसौनी ने कहा कि लोकार्पण उस योजना का किया जाता है जो पूर्ण हो गई हो और जनता को समर्पित कर दी गई हो परंतु चंपावत पिथौरागढ़ ट्रांसमिशन लाइन की सच्चाई कुछ और ही बयां कर रही है। दसौनी ने कहा की 4200 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण प्रधानमंत्री करेंगे इस बात का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रचार कराया गया परंतु आज हालात यह हो गई है कि खोदा पहाड़ और निकली चुहिया।

आप्रेशन अजय: इजरायल से 286 भारतीय और 18 नेपाली नागरिक पहुंचे दिल्ली

नई दिल्ली। इजरायल से अब तक ऑपरेशन अजय के तहत एक हजार से अधिक भारतीय नागरिकों को निकाला जा चुका है। इजरायल-हमास के बीच जारी युद्ध में फंसे भारतीय धीरे-धीरे स्वदेश लौट रहे हैं। ऑपरेशन अजय के तहत भारतीय लोगों को इजराइल से निकाला जा रहा है। इस बीच बीती देर रात इजराइल से 286 भारतीय और 18 नेपाली नागरिकों को लेकर पांचवीं फ्लाइट दिल्ली पहुंची। केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने इन लोगों का स्वागत किया।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने कहा कि जहां भी भारतीय फंसे हैं, हमारी प्राथमिकता उन्हें वापस लाना है। हमने ऑपरेशन गंगा और ऑपरेशन कावेरी को सफलतापूर्वक चलाया है। अब ऑपरेशन अजय के तहत हम लोगों को इजराइल से वापस ला रहे हैं। यह पांचवीं उड़ान है।

हमने अब तक 1180 लोगों को इजरायल से सफलतापूर्क भारत लाया है। अपने नागरिकों को इजरायल से लाने वाला पहला देश भारत है। इसके अलावा हम अपने पड़ोसी देश (नेपाल) के लोगों को भी ला रहे हैं।

इजराइल से लौटे भारतीय नागरिक विशाल ने कहा कि मैं हाइफा, इजराइल से आ रहा हूं। हमें विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना था।

भारत सरकार ने हमारी बहुत मदद की है, हम दूतावास के आभारी हैं। इजराइल से लौटे भारतीय नागरिक रमेश ने कहा कि हम अभी इजराइल से लौटे हैं। भारतीय दूतावास द्वारा प्रदान की गई सुविधाएं बहुत अच्छी थीं। हमें इजराइल में भारतीय दूतावास से बहुत मदद मिली।

दून वैली मेल

संपादकीय

स्मार्ट सिटी, बदहाल व्यवस्थाएं

उत्तराखंड की राजधानी में जब से स्मार्ट सिटी के काम शुरु हुए तब से लेकर आज तक देहरादून वासी तमाम तरह की मुसीबतें झेल रहे हैं। दून की सड़कों की बदहाल स्थिति के अलावा पेयजल संकट और सीवरेज की समस्याओ से लेकर जल भराव तक न जाने कितनी समस्याओं से लोग जूझ रहे हैं। जिस भी सड़क या क्षेत्र में यह स्मार्ट सिटी के काम चल रहे हैं उस छेत्र के लोग ही समझ और जान सकते हैं कि वह वर्षों से क्या-क्या समस्याओं को झेल रहे हैं। इन कामों के कारण पूरा शहर कीचड़ और गंदगी के साथ धूल धूल हो गया है। सड़कों पर आवागमन ही मुश्किल नहीं हुआ है लोगों का सांस लेना भी दूभर हो गया है। शासन प्रशासन में बैठे लोग भी स्मार्ट सिटी का तमाशा सालों से देख रहे हैं इस परियोजना के तहत किये जाने वाला कोई भी काम तय समय सीमा पर हो पाता इसे तो छोड़ ही दो एक काम एक बार में हो जाए और ठीक से हो जाए यह भी मुश्किल हो गया है। इस परियोजना के कितने ही सीईओ बदल चुके हैं और कितनी बार इसके पूरे होने की समय सीमा बढ़ाई जा चुकी हो तथा समय पर काम न हो पाने के कारण इस परियोजना का बजट कितना बढ़ गया हो यह तमाम बातें अब दीगर बातें हो चुकी है अब तो सबसे अहम बाद यह है कि आखिर इस स्मार्ट सिटी के कामों से कब निजात मिल सकेगी अभी कितने और लंबे समय तक स्मार्ट सिटी के कारण बदहाल हुई व्यवस्थाओं को झेलना पड़ेगा। अभी भी इन कामों के कारण घंटाघर, किशन नगर चौक, दून स्कूल चौक, बिंदाल पुल, गांधी रोड, आराघर, सर्वेचौक, ईसी रोड, बहल चौक आदि तमाम स्थानों पर अभी भी काम चल रहे हैं उसके कारण यातायात व्यवस्था तो चौपट हो ही रही है तमाम तरह की दिक्कते भी हो रही है। डीएम सोनिका जो स्मार्ट सिटी परियोजना की सीईओ भी है, समय समय पर इन कामों की समीक्षा और स्थलीय जांच करती रहती है। इन दिनों शहर की जो दयनीय स्थिति है उसे लेकर भले ही शासन प्रशासन को चिंता फिकर हो न हो लेकिन दिसंबर माह के पहले सप्ताह में दून में जो इंवेस्टर्स समिट आयोजित होना है उसने उनकी चिंताओं को जरूर बढ़ा दिया है क्योंकि इस समिट में भाग लेने के लिए देश के कोने कोने से उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों को आना है इसके अलावा कई देशों के प्रतिनिधि दल भी आएंगे। राजधानी की उबड खाबड सड़कों और धूल और गंदगी के ढेरों को देखकर वह क्या सोचेंगे कहीं बिजली के झूलते तार तो कहीं खुदी हुई सड़कें तो कहीं सड़कों पर भरा पानी और वाहनों की लंबी लंबी कतारें देखकर वह अपने मन में इस स्वच्छ और सुंदर दून की क्या तस्वीर अपने मन में लेकर जाएंगे। यही कारण है कि अब अधिकारियों को इसकी चिंता सताने लगी है। जिलाधिकारी सोनिका ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट दिशा निर्देश दिए हैं कि वह हर हाल में नवंबर के अंतिम सप्ताह तक इन कामों को पूरा करें। यह काम आने वाले एक डेढ़ माह में कितने पूरे हो पाते हैं यह बात आने वाले समय में ही पता चल सकेगी लेकिन एक बात जरूर है कि स्मार्ट सिटी के काम में थोड़ी तेजी जरूर आएगी तथा राजधानी को सड़क बिजली पानी और सीवर की समस्याओं का थोड़ा बहुत समाधान हो सकेगा जिससे दून वासियों को राहत मिल सकेगी। भला हो इंवेस्टर्स समिट का जिसने अधिकारियों को स्मार्ट सिटी की समस्याओं पर गौर करने पर विवश कर दिया है।

स सूनुर्मातरा शुचिर्जातो जाते अरोचयत।
महान्मही ऋतावृधा
(ऋग्वेद ९-९-३)

विश्व कल्याण के लिए जो पवित्र कर्मयोगी कार्य करता है वह अपने माता-पिता का सच्चा सपूत होता है। वह माता-पिता की कीर्ति को चारों ओर फैलाता है।

The pious Karmayogi who does work for the welfare of the world] is a true son of his parents- He spreads the fame of his parents in all directions- (Rig Ved 9&9&3)

डिजिटलीकरण, एआई का उपयोग करते हुए जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करें कुलपतिः राज्यपाल

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने गुरुवार को राजभवन में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक ली। बैठक में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति और शासन के उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में राज्यपाल ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय राज्य हित में योगदान हेतु उनकी विशेषज्ञता के आधार पर एक-एक शोध प्रस्तुत करें।

उन्होंने कहा कि वन यूनिवर्सिटी-वन रिसर्च पर आधारित यह शोध राज्य के विकास और लोगों के जीवन उन्नयन हेतु उपयोगी साबित हो। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एक वर्ष तक अपने गहन शोध के माध्यम से अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें, जो राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। विश्वविद्यालय अपनी विशेषज्ञता के अनुसार अपने शोध के विषय चयन करेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय के शोध के आधार पर तैयार दस्तावेज को जमीनी स्तर पर लागू किये जाने हेतु इसे सरकार से साझा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों के शोध एवं अनुसंधान का लाभ लोगों को मिले तभी इसकी सार्थकता होगी। बैठक में सभी कुलपतियों द्वारा शोध किये जाने वाले विषयों पर अपने अपने प्रस्तुतिकरण दिये।

राज्यपाल ने कहा कि कुलपति डिजिटलीकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए विश्वविद्यालयों में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करें।

उन्होंने विश्वविद्यालयों की प्रत्येक कार्यप्रणाली में तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग करने के निर्देश दिये। राज्यपाल ने नवीन तकनीकों पर आधारित विश्वविद्यालयों की बेस्ट प्रेक्टिसिज को आपस में साझा करने पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थियों को अच्छे संस्थानों में चयनित किये जाने हेतु विशेष प्रयास किये जाए इसके लिए शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों व शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने हेतु बेस्ट टीचर व बेस्ट रिसर्चर्स अवॉर्ड शुरू किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षक व शोधार्थी प्रेरित होंगे और वे अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में ई-लाइब्रेरी स्थापित किये जाने हेतु भी कुलपतियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी की इस दौर में ई-लाइब्रेरी का होना बेहद जरूरी है जिसमें छात्रों के लिए पाठ्य सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध रहें।

इस दौरान राज्यपाल ने वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) की ई-लाइब्रेरी का शुभारंभ भी किया। इस ई-लाइब्रेरी में 7.24 लाख पाठ्यसामग्री उपलब्ध हैं। इसमें एक हजार से अधिक विश्वविद्यालयों के ई-शोध पत्र, एक लाख से अधिक वीडियो लेक्चर और 19 हजार से अधिक ई-बुक्स उपलब्ध रहेंगी।

बैठक में यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा दिये जाने वाले अंक तालिका एवं उपाधियों में सुरक्षा विशेषता संबधी प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि छात्रों को दी जाने वाले उपाधि व अंक तालिकाओं में 25 सुरक्षा विशेषता हैं जो डुप्लिकेसी की संभावना को खत्म करेगी इसकी शुरूआत विश्वविद्यालय द्वारा कर दी गई है।

उन्होंने इसक लाइव डेमो भी दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण से संबंधित अन्य नवाचारों की भी जानकारी दी। राज्यपाल ने तकनीकों पर आधारित नवाचारों के लिए उन्हें शाबासी दी।

इस बैठक में राज्यपाल ने कुलपतियों द्वारा विश्वविद्यालय में किए जा रहे नवाचारों की सराहना की और अधिक बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों की चुनौतियों के समाधान के लिए वे हमेशा तत्पर रहेंगे। बैठक में विश्वविद्यालयों द्वारा संस्थानों की संबद्धता सहित अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडेय, चंद्रेश कुमार यादव, दीपेंद्र चौधरी, विधि परामर्शी श्री राज्यपाल श्री अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव स्वाति एस भदौरिया, डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव, डॉ विजय जोगदंडे, नमामि बंसल सहित राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय डॉ.ओ.पी.एस नेगी, कुलपति श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय प्रो. एन के. जोशी, कुलपति जी.बी.पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय डॉ. मनमोहन चौहान, कुलपति आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, कुलपति उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, कुलपति चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय प्रो. हेमचन्द्र, कुलपति कुमाऊँ विश्वविद्यालय दीवान सिंह रावत, कुलपति दून विश्वविद्यालय प्रो. सुरेखा डंगवाल, कुलपति औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय डॉ. परविंदर कौशल और कुलपति सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

तिरूपति बालाजी के दर्शन करने पहुंचे बीकेटीसी अध्यक्ष अजेन्द्र अजय

देहरादून। श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने आज तिरूपति (आंध्रप्रदेश) पहुंच कर भगवान वेंकटेश्वर तिरूपति बालाजी के दर्शन किये इससे पूर्व उन्होंने देवी पद्मावती मंदिर (माता लक्ष्मी जी मंदिर) में पूजा अर्चना की।

इस दौरान उन्होंने तिरूपति मंदिर की पूजा, भोग,दर्शन, भंडारा,प्रसाद आदि व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया।उनके साथ बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार भी तिरूमाला तिरूपति पहुंचे तथा मां पद्मावती तथा भगवान तिरमाला तिरूपति बालाजी के दर्शन किये।

इस दौरान बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने तिरूमला तिरूपति देवस्थानम् पदाधिकारियों तथा सेवादारों से मंदिर व्यवस्थाओं के बावत चर्चा की। तथा देवस्थानम पदाधिकारियों को बताया कि किस तरह यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन तथा उत्तराखंड प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में देवभूमि उत्तराखण्ड के देव धामों का कायाकल्प किया जा रहा है।

श्री केदारनाथ धाम में पुनर्निर्माण कार्य अंतिम चरण में चल रहा है तथा बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान का भी कार्य गतिमान है। बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने बताया कि इस दौरान तिरूपति देवस्थानम पदाधिकारियों को बदरी- केदार आने का भी आमंत्रण दिया गया। इस दौरान श्रीबदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के पूर्व सदस्य प्रवर शर्मा भी मौजूद रहे।

बदलते मौसम को देखते हुए डेली लाइफ रूटीन में जरूरत है बदलाव?

सर्दियों ने जबरदस्त तरीके दस्तक दी है। अचानक इस ठंड के लिए लोग तैयार नहीं थे लेकिन प्रकृति ने लोगों को ठंड का तोहफा दे दिया है। इस मौसम में खुद को स्वस्थ और सुरक्षित रखने के लिए उठाने वाले जरूरी कदम उठाये जाने चाहिए। आइये जानें, किस तरह से सर्दियों में खुद को स्वस्थ्य रखें...

सुबह उठने पर थोड़ी देर वॉक और एक्सरसाइज करें।

एक्सरसाइज के बाद गुनगुना पानी पिएं।

नहाने के तुरंत बाद शरीर का पानी पोंछने के बाद स्किन पर बॉडी लोशन लगाएं।

नहाने के बाद अदरक-तुलसी की चाय या एक चम्मच च्यवनप्राश खाएं और एक गिलास गर्म दूध पिएं।

हेल्दी डाइट लें और विटामिन सी वाली चीजें जैसे- नीबू, संतरा खाएं।

बदलते मौसम में रखें इन बातों का ख्याल

सर्दियों में टहलने से पहले और बाद में कभी भी ठंडा पानी नहीं पीना चाहिए। थोड़ी देर रुककर सादा या गुनगुना पानी ही पिएं।

वॉकिंग, योग, इंडोर और आउटडोर गेम्स खेलने चाहिए, जिससे शरीर में गरमाहट बनी रहती है।

ठंड में किस तरह के कपड़े पहने हैं, ये भी बहुत मायने रखता है। ठंड में पूरी बांह के ऊनी कपड़े पहनने चाहिए।

ठंड में हाथों और पंजों का भी ख्याल रखना चाहिए। जूतों को हल्का ढीला करके पहनना चाहिए। ज्यादा टाइट जूते पहनने पर ब्लड फ्लो रुक सकता है।

बदलते मौसम या एकदम से पड़ने वाली ठंड में न बरतें लापरवाही

बदलते मौसम में स्वास्थ्य का ख्याल रखना क्यों जरूरी है और ऐसा न करने के क्या नुकसान हो सकते हैं। मेडिकल एक्सपर्ट का कहना है कि ठंड का मौसम आपके ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के लेवल को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हो सकता है। कम टेम्प्रेचर से ब्लड वेसेल्स सिकुड़ सकते हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ेगा। कोलेस्ट्रॉल लेवल इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि लोग ठंड के मौसम में अनहेल्दी खाना ज्यादा खाते हैं, जिसकी वजह से बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ता है।

इस वजह से कार्डियक अरेस्ट या हार्ट रिलेटेड प्रॉब्लम हो सकती हैं। अगर आपको पहले से ही हार्ट की कोई प्रॉब्लम हो तो इस मौसम में टेंशन लेने से, तेज चलने से और कोई भारी एक्टिविटी करने से बचें।

एक रिसर्च के अनुसार, ठंड के मौसम में डायबिटीज के पेशेंट्स का ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है क्योंकि ठंड में लोग कम्फर्ट फूड (कार्बोहाइड्रेट और हाई शुगर वाला खाना) खाते हैं। कार्ब और शुगर से परहेज करें।

इसके अलावा ठंड के मौसम में लोग सुबह जल्दी उठने, एक्सरसाइज और योग करने में भी आलस करते हैं, जिसकी वजह से भी शुगर लेवल बढ़ता है।

ठंड के मौसम में कई लोग विंटर ब्लूज यानी सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर (ै।व) से पीड़ित होते हैं। सूरज की रोशनी इस मौसम में कम आती है। इससे आपके सेरोटोनिन यानी गुड फीलिंग वाले हॉर्मोन का लेवल गिर सकता है, जिसकी वजह से मेंटल हेल्थ की प्रॉब्लम हो सकती है।

ज्यादा ठंड की वजह से चेस्ट में एयरवेज टाइट हो जाते हैं। सांस लेना मुश्किल हो जाता है, जिससे ब्रीदिंग रेट बढ़ जाती है। अस्थमा पेशेंट्स इससे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। इस मौसम में ड्राई एयर सीधे फेफड़ों में जाती है और एयरवेज में सूजन का कारण बनती है। ठंड के मौसम में बैरोमैट्रिक प्रेशर बढ़ता है, जिससे आर्थराइटिस से पीड़ित लोगों का दर्द भी बढ़ता है। डॉक्टरों के अनुसार, जोड़ों में दर्द न हो (आर्थराइटिस में जोड़ों में दर्द होता है), इसके लिए खुद को हाइड्रेट रखना चाहिए। साथ ही स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज भी करनी चाहिए।

जान लीजिए हाथ धोने का सही तरीका, वरना हो जाएंगे गंभीर बीमारी के शिकार

जैसा कि आपको पता है हाथ धोना स्वास्थ्य के हिसाब से कितना जरूरी है. कोरोनावायरस महामारी जब तेजी से फैल रहा था. तब भी डॉक्टर यही निर्देश दे रहे थे कि समय-समय पर हाथ धोते रहिए. अगर आप समय-समय पर हाथ धोते हैं तो आप कई तरह की बीमारी से बचे रहेंगे।

ऐसे में सबसे जरूरी यह जानना है कि हाथ धोने का सही तरीका क्या है? हाथ में कई सारे जर्म्स छिपे होते हैं जो हमें पता भी नहीं चलता है और वह खाने के साथ हमारे पेट के अंदर चला जाता है. ऐसे में सबसे जरूरी है कि हाथ को साफ रखा जाए.

कब-कब हाथ धोना चाहिए?

खाने से पहले

प्रत्येक भोजन से पहले, अपने हाथों से मुंह में बैक्टीरिया के स्थानांतरण को रोकने के लिए अपने हाथों को साफ करें.

शौचालय का उपयोग करने के बाद

यह महत्वपूर्ण है. किसी भी हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए अपने हाथ अच्छी तरह धोएं.

छींकने या खांसने के बाद

रोगाणु बूंदों से फैलते हैं. खांसने या छींकने के बाद दूसरों और खुद की सुरक्षा के लिए अपने हाथ साफ करें.

पब्लिक प्लेस को छुने के बाद भी हाथ धोना है जरूरी

आप किसी पब्लिक प्लेस पर घूमने गए वहां के दरवाजे के हैंडल, हैंडल और साझा वस्तुएं कीटाणुओं के लिए प्रजनन स्थल हैं. ऐसे संपर्क के बाद अपने हाथ साफ करें.

हाथ कैसे धोएं?

अपने हाथ गीले करें

अपने हाथों को गीला करने के लिए साफ, बहते पानी का प्रयोग करें. यह गर्म या ठंडा हो सकता है. तापमान उतना मायने नहीं रखता जितना संपूर्ण कवरेज.

साबुन लगाएं

हाथ की सभी सतहों को ढकने के लिए पर्याप्त साबुन का प्रयोग करें.

अच्छी तरह से साफ करें

अपने हाथों को हथेली से हथेली तक रगड़ें. अपने हाथों के पिछले हिस्से, अपनी उंगलियों के बीच और अपने नाखूनों के नीचे रगड़ें. ऐसा कम से कम 20 सेकंड तक करें.

अच्छे से धोएं

साबुन हटाने के लिए अपने हाथों को साफ, बहते पानी के नीचे रखें.

ठीक से सुखा लें

साफ तौलिये या एयर ड्रायर का प्रयोग करें. यदि आप तौलिए का उपयोग कर रहे हैं, तो अपने हाथों को जोर से रगडने के बजाय थपथपाकर सुखाएं.

साथ ही यह काम करें: नाखून साफ रखें

अपने नाखूनों को काटें और साफ रखें, क्योंकि उनमें गंदगी और कीटाणु हो सकते हैं.

हैंड सैनिटाइजर

हालांकि वे सुविधाजनक हैं, फिर भी वे उचित हाथ धोने का विकल्प नहीं चुनते हैं. जब साबुन और पानी उपलब्ध न हो तो उनका उपयोग करें।

टेंशन और निगेटिविटी से रहना है दूर तो घर पर पाल लें कुत्ता, हैरान कर देने वाले हैं कई फायदे

घर पर कुत्ता पालना बहुत से लोगों का शौक होता है. बहुत से लोग डॉगी के साथ ही अपना काफी समय बिताते हैं. क्या आप जानते हैं कि घर पर कुत्ता पालना आपकी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है. दरअसल, कुत्ता वफादार तो माना ही जाता है सेहत के लिए लाभकारी भी माना जाता है. एक्सपर्ट्स इसके कई फायदे बताते हैं. तो चलिए जानते हैं घर पर कुत्ता पालने से सेहत को किस तरह के और क्या-क्या फायदे होते हैं...

नेगेटिविटी की छुट्टी

कहा जाता है कि घर में कुत्ता पालने से दिमाग में निगेटिव थॉट्स नहीं आते हैं. अगर आसपास डॉग है तो आपका ध्यान उसी पर रहता है और निगेटिव इमोशंस पास नहीं फटकते हैं. कुत्ता या पैट पर आपका फोकस डर को दूर करता है और निगेटिव विचारों को बदलने का काम करता है. कुत्ते के साथ खेलना भी फायदेमंद माना जाता है.

तनाव से मिलेगा छुटकारा

घर पर अगर कुत्ता पाल रखा है तो तनाव आपसे दूर ही रहता है. दरअसल, कुत्ता पास रहने पर बहुत से लोग उसके साथ ही ज्यादातर टाइम बिताते हैं, ऐसे में ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं पड़ती और ध्यान टेंशन बढ़ाने वाली चीजों पर नहीं जाता है। इस कारण काफी हद तक तनाव कम हो जाता है.

वजन कम करे

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि घर में डॉग पालने से वजन भी तेजी से कम होता है. जब आप उसे घुमाने के लिए डेली बाहर लेकर जाते हैं तो काफी देर तक आपका वॉक भी हो जाता है. इससे आपका खाना पच जाता है और वजन तेजी से कंट्रोल होता है.

हेल्दी और फिट बनाए

एक्सपर्ट का मानना है कि एक हफ्ते में कम से कम तीन घंटे एक्सरसाइज तो करनी ही चाहिए. इससे सेहत शानदार बनती है. एक्सरसाइज हमें फिट भी रखने का काम करता है. जो लोग घर में कुत्ता रखते हैं, वे उसे घुमाने भी जरूर लेकर जाते हैं. उसके साथ भागते-दौड़ते हैं. इससे उनका वर्कआउट हो जाता है और वे फिट रहते हैं.

कैंसर का संकेत मिल सकता है

एक्सपर्ट्स के अनुसार, घर में कुत्ता पालने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का पता भी आसानी से चल सकता है. एक रिसर्च में पाया गया है कि सूंघने की शक्ति ज्यादा होने के चलते कुत्ता कैंसर को काफी पहले ही सूंघ सकता है. इससे सही समय पर कैंसर का पता कर उसका इलाज हो सकता है. इसलिए कुत्ता पालने से कई तरह के फायदे हो सकते हैं.

अटल बिहारी वाजपेयी की प्रेरक कहानी को उजागर करेगा नया टीवी शो अटल

निर्माता अटल नामक एक नया शो लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो भारत के प्रमुख नेता और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की अनकही कहानियों को बयान करता है।यह शो उनके बचपन के अनछुए पहलुओं का पता लगाने के लिए तैयार है। यह शो एक ऐसे नेता के प्रारंभिक वर्षों पर गहराई से प्रकाश डालेगा जिसने भारत की नियति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय इतिहास में, कई प्रधानमंत्री परिवर्तनकारी नेता के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने महान दृष्टि और संकल्प के साथ महत्वपूर्ण क्षणों में अपने देश का नेतृत्व किया। उनके कार्यकाल को कई महत्वपूर्ण निर्णयों द्वारा चिह्नित किया गया, जिन्होंने देश की नियति को आकार दिया और इसे वैश्विक प्रभाव में सबसे आगे रखा।

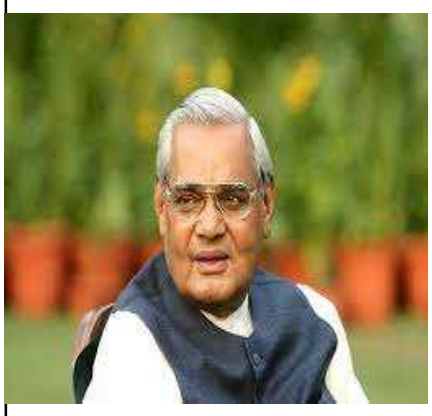

रणनीतिक दृष्टि और निर्णायक कार्यों के माध्यम से, इन नेताओं ने इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया, और एक अमिट विरासत छोड़ी, जिसने अभूतपूर्व सफलता और प्रगति के युग को परिभाषित किया। अटल बिहारी वाजपेयी एक ऐसे प्रभावशाली राजनेता थे जिनकी विरासत का भारतीय बहुत सम्मान करते हैं।

भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की पृष्ठभूमि पर आधारित, यह शो वाजपेयी के बचपन की जटिलताओं को उजागर करेगा, उन घटनाओं, विश्वासों और चुनौतियों पर प्रकाश डालेगा जिन्होंने उन्हें एक ऐसा नेता बनाया जो वह थे।

कहानी में उनकी मां के साथ उनके संबंधों पर प्रकाश डाला जाएगा, जिन्होंने उनकी मान्यताओं, मूल्यों और सोच को गहराई से प्रभावित किया। एक तरफ भारत ब्रिटिश शासन के तहत गुलामी का सामना कर रहा था और दूसरी तरफ, यह आंतरिक कलह और धन, जाति और भेदभाव के विभाजन का सामना कर रहा है। अटल एंड टीवी पर प्रसारित होगा।

कुछ हाथों में सारा धन!

एक तरफ देश में खरबपतियों की संख्या बढ़ रही है, दूसरी तरफ हालत यह है कि आम उपभोग घटता जा रहा है। इस बात की पुष्टि एफएमसीजी कंपनियों की रिपोर्ट से हर महीने होती है।

भारत में एक साल में एक हजार करोड़ रुपए से अधिक धन वाले व्यक्तियों की संख्या 216 बढ़ गई। 2023 में भारत में इतनी कीमत वाले व्यक्तियों की संख्या 1,319 तक पहुंच गई है। उसके पहले यह संख्या 1,103 थी। 2021 में पहली बार खरबपतियों की संख्या ने 1000 का आंकड़ा पार किया था। ताजा हुरुन इंडिया रिच लिस्ट का निष्कर्ष है कि भारत में खरबपतियों की संख्या स्थिर गति से बढ़ रही है। चूंकि अब धन का संग्रहण मुख्य रूप से शेयर बाजार, ऋण बाजार, बॉन्ड मार्केट आदि में निवेश से होता है, इसलिए धन बढने का यह अनिवार्य अर्थ नहीं होता कि उसका निवेश वास्तविक अर्थव्यवस्था में होगा, जिससे रोजगार पैदा होंगे और देश में कुल उपभोग एवं जीवन स्तर में बढ़ोतरी होगी। वैसे भी गुजरे कुछ वर्षों से भारत के सबसे धनी-मानी उद्योगपति विकसित बाजारों में निवेश करने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाने लगे हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया था कि पिछले वित्त वर्ष में लगभग आठ लाख करोड़ रुपये का निवेश भारत से विदेश गया। नतीजा यह है कि एक तरफ देश में खरबपतियों की संख्या बढ़ रही है, दूसरी तरफ हालत यह है कि आम उपभोग घटता जा रहा है।

इस बात की पुष्टि एफएमसीजी कंपनियों की रिपोर्ट से हर महीने होती है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक आम उपभोग की चीजें बनाने वाली इन कंपनियों की बिक्री में इस वर्ष जुलाई से सितंबर की तिमाही में 2.3 प्रतिशत की गिरावट आई। यह सूरत तब रही, जब सितंबर में उनकी बिक्री बढ़ी, क्योंकि किराना दुकानदारों ने त्योहारों के सीजन का पूर्वानुमान लगाकर अपना भंडार बढ़ाया।

एमएमसीजी कंपनियों का कारोबार लोगों की वास्तविक आय पर निर्भर करता है, जिसमें महंगाई और रोजगार की खराब स्थितियों के कारण लगातार गिरावट आई है। तो उपरोक्त दोनों सूरतें भारत की वर्तमान कथा का हिस्सा हैं। इस कहानी को ठीक से समझना हो, तो कार बाजार पर ध्यान देना चाहिए, जहां सबसे महंगी कारों की मांग बढ़ती चली गई है, जबकि एंट्री-लेवल की कारों के खरीदार बमुश्किल मिल रहे हैं। चूंकि आज सार्वजनिक विमर्श में ऐसी चर्चाएं नहीं होतीं, लेकिन यह मुद्दा है: आखिर यह हालत देश को कहां ले जाएगी?

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

प्रधानमंत्री मोदी का लिखा गाना गरबो हुआ रिलीज, ध्वनि भानुशाली ने दी आवाज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब एक गीतकार भी बन गए हैं। नवरात्रि से एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री द्वारा लिखा गया गरबा गीत गरबो रिलीज हो गया है। गुजरात की संस्कृति को दिखाते इस गाने को गायिका ध्वनि भानुशाली ने अपनी आवाज दी है, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। यह गाना रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर छाया हुआ है और अभिनेत्री कंगना रनौत आदि इसकी प्रशंसा कर रहे हैं।

ध्वनि ने एक्स (पहले ट्विटर) पर ट्वीट कर गाने के बारे में जानकारी दी और प्रधानमंत्री का आभार जताया।उन्होंने लिखा, नरेंद्र मोदी जी, मुझे और तनिष्क को आपका लिखा हुआ गाना बहुत पसंद आया। हम एक नई धुन, रचना और स्वाद को लेकर आना चाहते थे, जिसे जीवंत बनाने में जस्ट म्यूजिक ने हमारी मदद की। मामूल हो कि जेजस्ट म्यूजिक के यूट्यूब चौनल पर जारी हुए इस गाने को तनिष्क ने संगीत दिया है।

इसके बाद प्रधानमंत्री ने ध्वनि के ट्वीट का जवाब देते हुए तनिष्क और जेजस्ट म्यूजिक की टीम का आभार जताया। उन्होंने लिखा, इस मनमोहक प्रस्तुति के लिए शुक्रिया, जो मैंने वर्षों पहले लिखी थी। यह कई यादें वापस लाता है। मैंने कई वर्षों से कुछ नहीं लिखा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में मैं एक नया गरबा लिखने में कामयाब रहा।प्रधानमंत्री ने बताया कि वह अपने इस नए गरबा गीत को नवरात्रि के दौरान सभी के साथ साझा करेंगे। इस गाने के निर्माता जैकी भगनानी ने प्रधानमंत्री के साथ अपने इस म्यूजिकल प्रोजेक्ट और गरबो के निर्माण के बारे में बात की।उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के साथ इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे और जेजस्ट म्यूजिक के लिए बेहद गर्व और खुशी का क्षण है। गरबो हमारी सांस्कृतिक विरासत और नवरात्रि के सार के लिए एक श्रद्धांजलि है।जैकी को विश्वास है कि गरबो आने वाले कई वर्षों तक नवरात्रि समारोह की शान बढ़ाएगा।

गरबो के रिलीज होने के बाद से ही लोग इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं तो कंगना ने भी प्रधानमंत्री मोदी को प्रेरणादायक बताया।उन्होंने लिखा, कितना सुंदर है, चाहे वह अटल की कविताएं हों या नरेंद्र मोदी के गाने/कविताएं और कहानी कहने की बात हो, हमारे नायकों को कला की सुंदरता और कोमलता में शामिल होते हुए देखना हमेशा मन को छू जाता है। नवरात्रि 2023 गरबा सभी कलाकारों के लिए बहुत प्रेरणादायक है। नवरात्रि को बॉलीवुड फिल्मों में धूमधाम से दिखाया जाता है और कई गाने भी फिल्माए गए हैं। ऐसे में गरबा करने के लिए ढोली तारो ढोल बाजे, नगाड़ा संग ढोल बाजे, शुभारंभ, झुमे रे गोरी सहित कई गानों का आनंद उठाया जा सकता है।

अपने तय समय पर ही प्रदर्शित होगी शाहरुख खान की डंकी, नहीं बढ़ाई गई डेट आगे

चार साल के बाद बड़े परदे पर वापसी करने वाले शाहरुख खान ने 2023 में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 1200 करोड़ का कारोबार करने वाली दो फिल्में पठान और जवान दी हैं। उनकी इस सफलतम वापसी को आगे बढ़ाने का काम करने वाली राजकुमार हिरानी की डंकी, जो क्रिसमस के मौके पर 22 दिसम्बर को प्रदर्शित होने जा रही है। बीते दिन इस फिल्म के बारे में समाचार फैला कि राजकुमार हिरानी की शाहरुख खान अभिनीत डंकी 22 दिसम्बर को प्रदर्शित नहीं हो पाएगी। इसे अगले साल के लिए टाल दिया गया है। यह फिल्म साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'सालार' के साथ इस साल क्रिसमस के मौके पर 22 दिसंबर को रिलीज होने वाली है।

मीडिया में इस तरह की अफवाह उड़ी की 'डंकी' की रिलीज डेट को टाल दिया गया है, लेकिन यह सच नहीं है। मशहूर ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर 'डंकी' को लेकर जानकारी दी है कि इसकी रिलीज डेट को टाला नहीं गया है। शाहरुख की यह फिल्म इस साल अपनी तय तारीख पर क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी। इसके साथ ही तरण ने यह भी बताया कि 'डंकी' का टीजर जल्द रिलीज होने वाला है।हाल ही में कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि 'डंकी' को 2024 के लिए पोस्टपोन किया जा सकता है। लेट्स सिनेमा के आधिकारिक हैंडल पर एक पोस्ट के अनुसार पोस्ट-प्रोडक्शन टाइमलाइन में देरी के कारण फिल्म को अगले साल के लिए पोस्टपोन किया जा सकता है।

शब्द सामर्थ्य -217

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

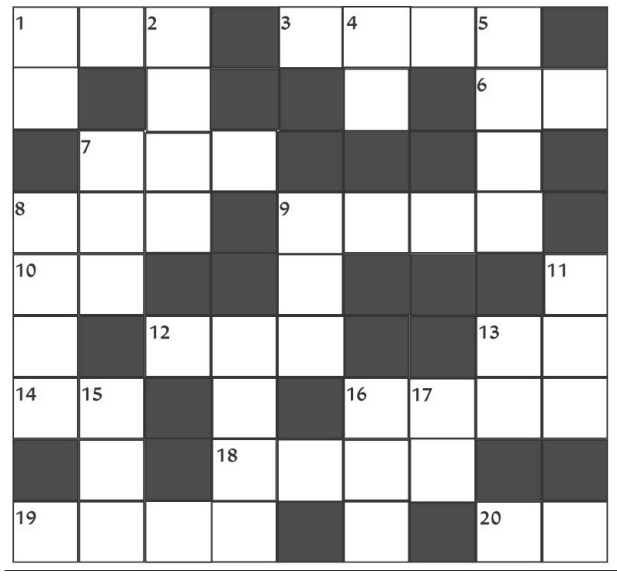

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 216 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

अरवेब सीरीज आर्या 3 का ट्रेलर जारी, जबरदस्त एक्शन करती दिखीं सुष्मिता सेन

आर्या ने अपना घर-बार छोड़ दिया है और अब एक किले में रह रही हैं. अफीम तस्करी का कारोबार उसे अपने परिवार से विरासत में मिला है।

ट्रेलर की शुरुआत में, हम उसे एक अफीम फार्म के जमीन मालिक से जबरदस्ती कागजात पर हस्ताक्षर करवाते हुए देखते हैं. कैसे? वह अपने आदमियों से उसका अंगूठा कटवाती है ताकि वह उसके खून को स्याही के रूप में इस्तेमाल कर सके. ट्रेलर में सुष्मिता सेन एक दम बेखौफ अंदाज में दिखी हैं।

इनमें उसके मृत पिता उदयवीर का दामाद सूरज (इंद्रनील सेनगुप्ता) शामिल है, जो उदयवीर की मौत का बदला लेने के लिए भारत वापस आया है. इला अरुण द्वारा निभाया गया एक अन्य किरदार भी है, जो आर्या के बिजनेस विस्तार को विफल करने का वादा करता है. इनके अलावा, एसीपी खान और रूसियों का नियमित समूह है, जो संभवत: उनके सौदे का उल्लंघन करने के बाद उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देते हैं. लेकिन आर्या पीछे हटने वाली महिला नहीं है. वह एक किले की चोटी पर, घायल अवस्था में, लोगों की छाती को तलवार से काटते हुए और तीव्र युद्ध घोष करते हुए देखी गई है. यह वही जगह है जब आर्या को गोली लगती है और वह फर्श पर गिर जाती है. यह शो, जिसमें माया सराओ और गीतांजलि कुलकर्णी भी हैं, राम माधवानी द्वारा निर्मित, निर्मित और निर्देशित है. सीजन 3 3 नवंबर को डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज होगा। (आरएनएस)

दुरंगा 2 में अमित साध और गुलशन देवैया का शानदार परफॉर्मेंस

नए रहस्य पनप रहे हैं और सामने आ रहे हैं क्योंकि दुरंगा 2 के ट्रेलर में गुलशन देवैया और अमित साध के किरदार अपनी पहचान को फिर से पाने के लिए संघर्ष में लगे हुए हैं। इस दौरान कई नए रहस्य सामने आते हैं।

निर्देशक रोहन सिप्पी की क्राइम-थ्रिलर सीरीज दुरंगा के दूसरे सीजन के ट्रेलर को देखकर साफ है कि यह पहले वाले से भी अधिक रोमांचक है।

सीजन 2 का ट्रेलर दुरंगा एस1 की घटनाओं से शुरू होता है, जो एक कठिन मोड़ पर समाप्त हुआ, जिससे दर्शक उत्साहित हो गए और और अधिक इंतजार करने लगे क्योंकि नायक बिल्कुल वैसा नहीं है जैसा वह दिखता है।

ट्रेलर में, हम अभिषेक बन्ने के जीवन में अतीत में हुई घटना को देखते हैं। सम्मित पटेल 14 साल के बाद कोमा से बाहर आता हैं। इस दौरान उसकी पहचान का इस्तेमाल उसका जीवन कोई और जी रहा है।

अभिषेक बन्ने और सम्मित पटेल अब अपनी पहचान को लेकर आमने-सामने आते हैं और एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं।

साइकोलॉजिकल-क्राइम-थ्रिलर लोकप्रिय के-ड्रामा सीरीज फ्लावर ऑफ एविल का रूपांतरण है। कुल आठ एपिसोड वाली इस सीरीज में अमित साध, दृष्टि धामी, गुलशन देवैया मुख्य भूमिका में हैं। 8 एपिसोड के दुरंगा एस2 का प्रीमियर 24 अक्टूबर, 2023 को जी5 पर होगा।

फिल्म 12वीं फेल का पहला गाना बोलो ना जारी, श्रेया घोषाल और शान ने दी आवाज

बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी पिछले कुछ वक्त से अपनी आगामी फिल्म 12वीं फेल को लेकर चर्चा में हैं।यह फिल्म इसलिए भी ज्यादा खास है, क्योंकि इसका निर्देशन विधु विनोद चोपड़ा कर रहे हैं, जो मुन्ना भाई और 3 इडियट्स जैसी शानदार फिल्में बना चुके हैं।अब निर्माताओं ने 13 अक्टूबर (शुक्रवार) को 12वीं फेल का पहला गाना बोलो ना जारी कर दिया है, जिसमें विक्रांत अभिनेत्री मेधा शंकर के साथ इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं।

बोलो ना के बोल स्वानंद किरकिरे ने लिखे हैं तो वहीं इस गाने को श्रेया घोषाल और शान ने मिलकर गाया है।12वीं फेल 27 अक्टूबर को हिंदी समेत तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।यह फिल्म अनुराग पाठक के इसी नाम से आए लोकप्रिय उपन्यास पर आधारित है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह उपन्यास आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा की कहानी बताता है।इसकी ज्यादातर शूटिंग दिल्ली के मुखर्जी नगर में हुई है। (आरएनएस)

फिल्म टाइगर 3 का नया पोस्टर जारी, आंखों में तेज और हाथों में जंजीर पकड़े नजर आए भाईजान

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान अपनी आगामी फिल्म टाइगर 3 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। सलमान खान हाल ही में अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म टाइगर 3 का टीजर जारी होने के बाद से ही फैंस के बीच चर्चा में बने हुए हैं। इस बीच फिल्म के ट्रेलर की रिलीज से पहले मेकर्स ने फिल्म से सलमान खान का इंटेंस लुक जारी किया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सलमान खान बहुप्रतीक्षित टाइगर 3 लाने के लिए तैयार हैं, और ट्रेलर रिलीज से पहले, निर्माताओं, यशराज फिल्म्स ने एक नई तस्वीर जारी की है, जिसमें आगामी फिल्म से रॉ एजेंट टाइगर बन सलमान खान नजर आ रहे हैं। इस नए लुक में भाईजान हाथों में जंजीर लिए नजर आ रहे हैं।

इस पोस्ट को साझा करते हुए सलमान खान ने लिखा, 16 अक्तूबर को आ रहा है टाइगर का ट्रेलर दोपहर 12 बजे। सभी लोग अपने कैलेंडर मार्क कर लें। इस दिवाली सिनेमाघरों में आ रही है फिल्म। हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज हो रहा है।

सलमान का यह लुक तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस भी भाईजान के नए लुक पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। वहीं, पिछले दिनों कटरीना के लुक ने भी फैंस को काफी उत्साहित कर दिया था। भाईजान के नए लुक पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, मैं तो फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने के लिए काफी उत्साहित हूं।

दूसरे यूजर ने लिखा, भाईजान की यह फिल्म सुपर डुपर हिट होने वाली है। एक और यूजर ने लिखा, सलमान खान का लुक कितना खतरनाक लग रहा है।

रिया कपूर ने वीरे दी वेडिंग के सीक्वल पर लगाई मुहर

2018 में आई फिल्म वीरे दी वेडिंग को दर्शकों द्वारा काफी सराहा गया था। इसमें करीना कपूर, सोनम कपूर, स्वरा भास्कर और शिखा तलसानिया नजर आई थीं।दर्शक पिछले काफी वक्त से वीरे दी वेडिंग के सीक्वल की मांग कर रहे हैं।अब आखिरकार रिया कपूर ने वीरे दी वेडिंगं के दूसरे भाग पर मुहर लगा दी है। बताया कि फिल्म की दूसरी किस्त पर काम शुरू हो चुका है। फिलहाल स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है।

रिया ने कहा, हां, वीरे दी वेडिंग बन रही है। फिलहाल, फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। वीरे दी वेडिंग की दूसरी किस्त की कहानी बहुत अलग होगी।

मुझे पता है कि यह थोड़ा मुश्किल है क्योंकि यह फिल्म मेरे लिए सब कुछ है।उन्होंने आगे कहा, मैं वीरे दी वेडिंग की कहानी से बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण फिल्म है और मैं इससे बहुत जुड़ी हुई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगले साल तक निर्माता वीरे दी वेडिंग 2 की शूटिंग शुरू कर देंगे। आने वाले दिनों में जल्द इस खबर की आधिकारिक घोषणा की जाएगी।फिलहाल वीरे दी वेडिंग 2 की कास्ट तय नहीं हुई है। हालांकि, उम्मीद है कि दूसरे हिस्से में भी पहले भाग वाली स्टारकास्ट ही नजर आएगी।

डंकी और सालार के बीच अब नहीं होगा मुकाबला, शाहरुख ने पीछे खींचे कदम?

जब से प्रभास अभिनीत फिल्म सालार के 22 दिसंबर यानी क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में आने की घोषणा हुई है, यह लगातार चर्चा में बनी हुई है, क्योंकि इसी दिन शाहरुख खान की फिल्म डंकी भी सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है।अब जो खबर आ रही है, उससे न सिर्फ शाहरुख, बल्कि प्रभास के प्रशंसक भी खुशी से झूम उठेंगे।दरअसल, इन दोनों फिल्मों के बीच अब टकराव टलने की खबरें जोर पकड़ रही हैं।

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयबालन ने एक्स पर लिखा, डंकी और सालार के बीच टकराव टल सकता है। डंकी को आगे बढ़ाए जाने की खबरें हैं। लिहाजा दोनों फिल्में अलग-अलग दिन रिलीज होगी।

उधर सूत्रों ने भी इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा, पोस्ट प्रोडक्शन से जुड़ा काम बचा होने के कारण डंकी की रिलीज टल सकती है। इसे लेकर निर्माताओं की तरफ से आधिकारिक ऐलान होना बाकी है।

सोशल मीडिया पर डंकी ट्रेंड में है। ज्यादातर प्रशंसक इस पर खुशी जाहिर कर रहे हैं, वहीं कुछ को विश्वास नहीं हो रहा है कि डंकी के पोस्ट प्रोडक्शन की वजह से फिल्मों के बीच टकराव टल रहा है। एक ने लिखा, शाहरुख 2 ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद सालार से डरने वाले नहीं हैं। एक ने शाहरुख का वो ट्वीट याद दिलाया, जिसमें उन्होंने कहा था, डंकी फिक्स ही है। अब क्या माथे पर गुदवा लूं।

ज्यादातर फिल्म विशेषज्ञों की मानें तो इस टकराव से दोनों फिल्में बुरी तरह

प्रभावित होंगी।ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक, सालार-डंकी के साथ आने से दोनों फिल्मों को अच्छा-खासा नुकसान होगा। उनके मुताबिक, फिल्मों के प्रोडक्शन हाउस को इस पर सोचना चाहिए।सोशल मीडिया पर शाहरुख और प्रभास के प्रशंसक भी आपस में भिड़ गए हैं। दोनों एक-दूसरे पर मीम्स बना रहे हैं। विवाद न बढ़े, इसलिए भी फिल्मों को साथ न लाने पर बात चल रही है। डंकी का निर्देशन जाने-माने निर्देशक राजकुमार हिरानी कर रहे हैं। दोनों पहली बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म की कहानी डंकी फ्लाइट पर केंद्रित है। फिल्म में पंजाब का एक लडका दिखाया जाएगा, जो कनाडा जाने के लिए डंकी फ्लाइट वाला रास्ता लेगा।इसमें शाहरुख के साथ पहली बार तापसी पन्नू नजर आएंगी। यह फिल्म राजकुमार हिरानी फिल्म्स और शाहरुख की प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज के बैनर तले बन रही है।इसमें शाहरुख एक आर्मी अफसर का किरदार निभाएंगे।

केजीएफ फ्रैंचाइजी के निर्देशक प्रशांत नील के निर्देशन में बनी सालार पहले 28 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन वीएफएक्स का काम बचा होने की वजह से इसकी रिलीज टाल दी गई। इस फिल्म में प्रभास संग श्रुति हासन और जगपति बाबू नजर आएंगे।

मुफ्त में बंटने वाली रेवड़ी पर रोक की जरूरत...

अजीत द्विवेदी

चुनावों से पहले मुफ्त में वस्तुएं और सेवाएं बांटने की घोषणाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने हिचक के साथ ही सही लेकिन एक पहल की है। अदालत ने मध्य प्रदेश और राजस्थान सरकार के साथ साथ केंद्र सरकार, चुनाव आयोग और रिजर्व बैंक को नोटिस जारी किया है। हालांकि अदालत के मन में एक दुविधा है, जिसे उसने जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान जाहिर किया। सर्वोच्च अदालत ने सवालिया लहजे में कहा कि क्या चुनावी वादों पर नियंत्रण किया जा सकता है? यह बहुत जायज सवाल है और इस पर बहस भी सनातन है। जब भी मुफ्त की रेवड़ी की बात होती है तो यह सवाल उठता है कि किस चीज को मुफ्त की रेवड़ी कहेंगे और किस चीज को लोक कल्याण की योजना कहेंगे?

हर सरकार और पार्टी अपनी योजना को लोक कल्याण की योजना बताती है और कहती है कि भारत एक लोक कल्याणकारी राज्य है, जिसमें सरकारों की जिम्मेदारी बनती है कि वह जनता की समस्याओं को दूर करे और जरूरतों को पूरा करे। लेकिन सवाल है कि क्या मुफ्त में वस्तुएं और सेवाएं बांटने से जनता की बुनियादी समस्याएं दूर हो रही हैं? हकीकत यह है कि इससे कुछ लोगों की तात्कालिक समस्याओं का समाधान तो मिलता है लेकिन समस्याओं के स्थायी निराकरण की संभावना समाप्त हो जाती है। देश या राज्य के ढांचागत विकास की प्रक्रिया इससे रूक जाती है क्योंकि पार्टियां और सरकारें चुनाव जीतने के एक आसान फॉर्मूले के तौर पर मुफ्त की रेवड़ी का इस्तेमाल करने लगती हैं। वे ढांचागत विकास और रोजगार पैदा करने वाली योजनाओं पर सोचना बंद कर देती हैं।

मुफ्त की रेवड़ी बांटने की सीधा असर राज्यों की अर्थव्यस्था पर पड़ता है। इससे एक ऐसा दुष्चक्र बनता है, जिसमें से राज्यों का निकलना दिनों-दिन मुश्किल होता जाता है। हर राज्य मुफ्त में वस्तुएं और सेवाएं बांटने की अपनी योजना पर अपने बजट का बड़ा हिस्सा खर्च करती हैं, जिससे उनका घाटा बढ़ता जाता है। घाटा पूरा करने के लिए सरकारों को बेतहाशा कर्ज लेना होता है और जैसे जैसे कर्ज बढ़ता है वैसे वैसे कर्ज का ब्याज चुकाने पर होने वाला खर्च बढ़ता है। आज स्थिति यह है कि ज्यादातर राज्यों के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा कर्ज का ब्याज चुकाने में खर्च होता है। पंजाब के ऊपर अपने सकल घरेलू उत्पाद के 48 फीसदी के बराबर कर्ज है। राजस्थान पर 40 फीसदी और मध्य प्रदेश के ऊपर जीडीपी के 29 फीसदी के बराबर कर्ज है, जबकि यह जीडीपी के 20 फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। भारी-भरकम कर्ज का नतीजा यह है कि पंजाब अपनी कमाई का 20 फीसदी हिस्सा ब्याज चुकाने में खर्च करता है। मध्य प्रदेश भी अपनी कमाई का 10 फीसदी हिस्सा ब्याज चुकाने में खर्च करता है। हरियाणा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी कुल बजट आवंटन का 20 फीसदी या उससे ज्यादा हिस्सा कर्ज का ब्याज चुकाने में खर्च होता है। भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के 15 राज्य ऐसे हैं, जिनके ऊपर उनकी जीडीपी के 30 फीसदी से ज्यादा कर्ज है।

राज्यों के ऊपर कर्ज इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि उनको मिलने वाले राजस्व के मुकाबले उनके खर्च ज्यादा तेजी से बढ़ रहे हैं और खर्च बढने का एक बड़ा कारण मुफ्त की चीजें और सेवाओं बांटने की होड़ है। इस साल मई में कर्नाटक में विधानसभा चुनाव हुआ तो कांग्रेस ने पांच गारंटी के तहत महिलाएं, युवाओं, किसानों सबको खुले हाथ से नकदी बांटने का ऐलान किया। कई सेवाएं मुफ्त में देने की घोषणा की। चुनाव जीतने के बाद जब आकलन हुआ तो पता चला कि मुफ्त की चीजें और सेवाएं बांटने की घोषणा को पूरा करने में हर साल करीब 55 हजार करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इसे पूरा करने का नतीजा यह होगा कि राज्य का घाटा आठ फीसदी तक बढ़ेगा, जिसे पूरा करने के लिए उसे कर्ज लेना होगा। ऐसे ही पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद बिजली सब्सिडी में भारी बढ़ोतरी हुई है। वह 20 हजार करोड़ रुपए के करीब पहुंच गई है। आप सरकार ने कई और वस्तुएं और सेवाएं मुफ्त में देनी शुरू की है, जिससे उसका घाटा 45 फीसदी तक बढ़ सकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक कई राज्य मुफ्त में वस्तुएं और सेवाएं देने की अपनी घोषणा पूरी करने के लिए अपनी कमाई का 35 फीसदी तक हिस्सा खर्च कर रही हैं। आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड आदि राज्य इस सूची में आते हैं। इनमें सबसे कम आठ फीसदी खर्च राजस्थान में होता है और सबसे ज्यादा 35 फीसदी पंजाब में। झारखंड और पश्चिम बंगाल जैसे गरीब राज्य भी क्रमश: 27 और 24 फीसदी खर्च करते हैं। मुश्किल यह है कि राज्य एक बार मुफ्त में चीजें और सेवाएं देने की घोषणा करने के बाद चुप होकर नहीं बैठ जाते हैं। वे हर चुनाव में नई घोषणाएं करते हैं। हर चुनाव में पहले से ज्यादा बड़ी घोषणा की जाती है। जैसे अभी खबर है कि केंद्र सरकार किसान सम्मान निधि की रकम को बढ़ाने जा रही है। 2019 के लोकसभा चुनाव के समय हर साल किसानों के खाते में छह हजार रुपए डालने की योजना शुरू हुई थी और पांच साल बाद सरकार उसको बढ़ा कर आठ हजार रुपए करने जा रही है। मुफ्त में पांच किलो अनाज देने की योजना भी 31 दिसंबर के बाद बढ़ाई ही जाएगी। उधर राज्यों में नकद पैसे बांटने और मुफ्त में बिजली, पानी, बस सेवा आदि देने की होड़ अलग मची है।

तभी ऐसा लग रहा है कि अब समय आ गया है कि इस तरह की घोषणाओं पर रोक लगाई जाए। लोक कल्याणकारी योजनाओं और मुफ्त की रेवड़ी के बीच एक स्पष्ट रेखा खींची जाए। इसमें यह ध्यान रखना होगा कि किसी के साथ पक्षपात न हो। यह नहीं होना चाहिए कि केंद्र सरकार किसानों को नकद पैसे दे या अनाज मुफ्त में दे या रसोई गैस का सस्ता सिलेंडर दे तो उसे लोक कल्याण की योजना माना जाए और किसी दूसरी पार्टी की सरकार महिलाओं को नकद पैसे दे या बिजली व पानी मुफ्त में या सस्ती दर पर दे तो उसे मुफ्त की रेवड़ी माना जाए! ऐसा होने पर स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की अवधारणा प्रभावित होगी। सर्वोच्च अदालत, चुनाव आयोग और भारतीय रिजर्व बैंक को केंद्र व राज्य सरकारों और राजनीतिक दलों की सहमति से इस मामले में नियम तय करने चाहिए।

सरकारों का कर्तव्य सामूहिक कल्याण सुनिश्चित करने का है, लेकिन दुर्भाग्य से पिछले कुछ समय से उसे निजी कल्याण में बदल दिया गया है। एक निश्चित समूह को लक्ष्य करके मुफ्त में चीजें और सेवाएं बांटी जा रही हैं और वोट सुनिश्चित किया जा रहा है। गरीबों को दो सौ यूनिट तक बिजली फ्री करके मध्य वर्ग और अमीरों से उसकी ज्यादा कीमत वसूली जा रही है। इसकी बजाय सरकारें बिजली का उत्पादन बढ़ा कर और वितरण बेहतर करके सबके लिए उसकी कीमत सस्ती कर सकती है। लेकिन इसका तात्कालिक लाभ नहीं मिलेगा। दिल्ली की जो सरकार हर घर में पीने का साफ पानी सुचारू रूप से नहीं पहुंचा सकती है वह पानी मुफ्त में देने की योजना का चुनावी लाभ ले रही है। सोचें, लोक कल्याणकारी राज्य भारत में देश की ज्यादातर आबादी को नल से जल नहीं मिलता है। यानी पीने का साफ परिष्कृत पानी नहीं मिल पाता है, जबकि यह सरकार की बुनियादी जिम्मेदारी बनती है।

बहरहाल, अगर सरकारें ढांचागत विकास के रास्ते पर चलेंगी तो उसे फलीभूत में होने में समय लगेगा। इसलिए पार्टियां शॉर्टकट अपनाती हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि ढांचागत विकास ठप्प हो गया है। रोजगार सृजन करने वाली योजनाओं पर काम नहीं हो रहा है। अगर सरकारें गंभीरता दिखाएं तो उनके सामने इसी देश के एक राज्य केरल की मिसाल है, जहां एक के बाद एक बनी सरकारों ने चाहे वह कांग्रेस की सरकार हो या लेफ्ट की उसने संरचनागत विकास पर ध्यान दिया। इसका

सू- दोकू क्र.217

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.216का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

इजराइल व हमास में लंबी लड़ाई तय?

श्रुति व्यास

इस बार हमास के तेवर बहुत तीखे हैं। वह दम लेने को तैयार नहीं है। पिछले हफ्ते इजराइल पर नृशंस हमले के बाद से ही हमास ने अपने अगले कदम की योजना बनानी शुरू कर दी थी।10 अक्टूबर की दोपहर को उसने एश्क्लोंन के नागरिकों को चेतावनी दी कि वे पांच बजे तक अपने घर छोड़ दें। डेडलाइन के बाद हमास ने वहां और दक्षिणी इजराइल के ज्यादातर इलाकों पर एक बड़ा राकेट हमला किया। यह हमला करीब 10 मिनट तक चला। उसने यह धमकी भी दी है कि अगर गाजा के नागरिकों पर इजराइल के हमले जारी रहे तो वह बंधकों की हत्या करना शुरू कर देगा। जाहिर है कि हमास को लग रहा है कि परिस्थितयां उसके अनुकूल हैं।

इजरायली सुरक्षा बल (आईडीएफ) के अनुसार हमास द्वारा 7 और 8 अक्टूबर को इजराइल की ओर 3,200 से अधिक राकेट दागे गए। यह संख्या हमास के गाजा पट्टी पर नियंत्रण कायम होने से (सन् 2014 और 2021 को छोडकर) किसी भी साल में दागे गए राकेटों की संख्या से ज्यादा हैं। सात अक्टूबर को हमले की शुरूआत में छोड़े गए राकेटों की संख्या सन् 2014 और 2021 के टकराव के शुरूआती दौर में छोड़े गए राकेटों की संख्या से कहीं अधिक थी।

जाहिर है यह आतंकवादी संगठन निश्चित ही अब पहले की तुलना में बेहतर हथियारों से लैस है। उसे ईरान का समर्थन हासिल है और वह निर्दयी और बेखौफ हो गया है। इजराइल के बारे में चर्चा करते हुए हमास के एक अधिकारी ने कहा, ''या तो हम धीमी मौत की तरफ बढ़ें या हम कब्जे को खष्म करने की कोशिश करते हुए मारे जाएं।ष इजराइल की जवाबी कार्यवाही भी उतनी ही क्रूर है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध की घोषणा कर दी है और आपरेशन 'आयरन स्वार्ड' प्रारंभ कर दिया है। इजरायली रक्षा मंत्री ने गाजा पर ष्पूरी तरह कब्जा करनेष का आव्हान किया है। आईडीएफ ने गाजा पट्टी पर अभूतपूर्व हवाई हमले किए हैं और तीन लाख रिजर्व सुरक्षा बलों को ड्यूटी पर बुला लिया गया है।

हमास ने सन् 2007 में गाजा और वहां के निवासियों पर अपना असर बनाया था। उसके बाद से वह इजराइल से चार दफा लड़ाई लड़ चुका है। कई छोटी मुठभेड़ें भी हुई हैं। इनके नतीजे में हजारों लोग, जिनमें से अधिकतर फिलिस्तीनी थे, अपनी जान गँवा चुके हैं। लेकिन सन् 2021 में दो हफ्ते तक चले युद्ध के बाद हमास का प्रयास रहा है कि टकराव न बढ़े और उसने अन्य फिलिस्तीनी उग्रपंथियां को इजराइल पर राकेट हमले बंद करने के लिए भी कहा। कई इजराइलियों का मानना था कि यह इस्लामिक संगठन एक और बार खून-खराबा करने, जिससे कुछ भी हासिल नहीं होगा, की बजाय युद्धविराम कायम रखना चाहता है ताकि गरीब एवं बहुत अधिक जनसंख्या घनत्व वाली इस पट्टी के पुनर्निर्माण पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके।

दूसरी ओर इजराइल की सरकार को लग रहा था कि जब तक शांति कायम रहती है तब तक हजारों फिलिस्तीनी मजदूरों को इजराइल में काम करने की अनुमति देने से शांति बनाए रखना हमास के लिए और भी फायदेमंद बन जाएगा। ऐसी आशा थी कि हमास को लम्बी अवधि के युद्धविराम का हिस्सा बनाया जा सकेगा। लेकिन 7 अक्टूबर के बर्बर हमलों से यह भ्रम टूट गया। इजराइल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के पूर्व मुखिया याकोव अमीदोर ने कहा कि ''आतंकवादी संगठन हमेशा आतंकवादी संगठन ही बना रहता है। लेकिन इजराइल भी गाजा और उसके निवासियों को बेरहमी से कुचलता रहा है, विशेषकर सन् 2007 में गाजा पर हमास का कब्जा होने के बाद से।

40 लीटर कच्ची शराब मय भट्टी उपकरण दो दबोचे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कच्ची शराब कारोबार में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने 40 लीटर कच्ची शराब मय भट्टी उपकरण सहित गिरफ्तार कर लिया है। मौके पर पुलिस ने 1000 लीटर लाहन भी नष्ट किया है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना पथरी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ लोग कच्ची शराब के अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान डेरा कराल में दबिश देकर दो लोगों को 40 लीटर कच्ची शराब मय भट्टी उपकरण के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। मौके पर पुलिस ने 1000 लीटर लाहन भी नष्ट किया है।

पूछताछ में उसने अपना नाम सुखविन्दर पुत्र दलील सिंह निवासी डेरा कराल थाना लक्सर हरिद्वार व तीरथ पुत्र ज्ञानता निवासी क्षीवंरहेडी थाना लक्सर हरिद्वार बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

डाकघर से 13 हजार रूपये चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने डाकघर से 13 हजार 366 रूपये चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्दरा नगर कालोनी स्थित डाकघर के सब पोस्टमास्टर सुरेन्द्र कुमार यादव ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 30 जून 2023 को उनके डाक घर में 13366 रूपये की चोरी हो गई थी, जिसकी सूचना पूर्व में पुलिस में दी थी। अब तक उनके द्वारा भी मालूमात करने का प्रयास किया गया किन्तु कुछ पता नही चल पाया है। पुलिस ने मुकदमा

मंत्री ने लम्बित सभी सड़क निर्माण शीघ्र पूरा करने के दिये निर्देश

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर उनको मसूरी विधानसभा क्षेत्र की लम्बित सडकों का निर्माण शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये।

आज यहां प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष में मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत लोक निर्माण विभाग की सड़कों की वर्तमान प्रगति की स्थिति के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री ने मसूरी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत कई दिनों से लम्बित सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि क्यारा-धनौल्टी मोटर मार्ग का निर्माण पूर्ण होने से धनौल्टी की दूरी लगभग 35 से 40 किलोमीटर तक कम हो जायेगी साथ ही उन्होंने क्षेत्र के अन्तर्गत पुल निर्माण तथा सहस्त्रधारा स्थिति बाईपास मार्ग के निर्माण से जाम की समस्या से आमजन को निजात मिल सकेगी।

मंत्री ने कहा कि क्यारा-धनौल्टी मार्ग पर 04 किलोमीटर सड़क निर्माण का शिलान्यास 2019 में किया गया था जोकि त्रुटिवश टिहरी जनपद में विस्थापित हो गया है जिसके समाधान हेतु अपर सचिव, पीडब्ल्यूडी को 15 दिनों के भीतर निस्तारण के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि स्वीकृत सड़क मार्गो का शीघ्र की शिलान्यास एवं लोकार्पण किया जायेगा।

मंत्री ने कहा कि धोरण में लगभग 03 करोड़ रूपये, विलासपुर-कांडली-जतनवाला में लगभग 03 करोड़ रूपये तथा सालावाला, डोभालवाला में लगभग 02 करोड़ रूपये की धनराशि सड़क निर्माण हेतु स्वीकृत की गई है।

उन्होंने कहा कि कुछ सड़क मार्ग वन भूमि के अन्तर्गत हैं जिन पर अधिकारियों की ढिलाई के चलते सड़क निर्माण का कार्य लम्बित है जिसपर मंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि मसूरी विधानसभा क्षेत्र के लम्बित सभी सड़क निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी अपर सचिव विनीत कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार छात्रा की मौत, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार छात्रा की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतका के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जलवायु टावर झाझरा निवासीं जुल्फिकार अहमद खान प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पुत्री मरियम हैदर अपने स्कूल द दून ग्लोबल स्कूल अपनी एक्टिवा से अपने घर दिन में करीब सवा दो बजे वापस आ रही थी तभी वहां से एक तेज रफ्तार से आ रही महिन्द्रा स्कार्पियो कार ने जल्दी में गलत तरीके से दूसरी गाडी को ओवर टेक किया और गलत साइड से सामने से

आकर उसकी पुत्री को एक भरपूर टक्कर मार दी, जिससे पुत्री बहुत ही बुरी तरहा घायल हुई यह दुर्घटना बालाजी मंदिर झाजरा यूको बैक के पास घटित हुई थी।

दुर्घटना के समय कार से शाहजेब नाम युवक अपने एक साथी के साथ कार से उतर गया और उसका भाई शदाब अली कार ले कर वहां से भाग गया।

दुर्घटना के बाद वहां के स्थानीय लोगो ने उसकी पुत्री को वहां से कुछ दूर स्थित शुभारती हास्पिटल में ले जा कर एडमिट करा दिया था और वहां कुछ समय इलाज करने के उपरान्त डाक्टरों ने उसकी पुत्री मरियम हैदर को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अपराजिता संस्था का दशहरा उत्सव कल से

देहरादून। महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य कर रही अपराजिता संस्था द्वारा दशहरे के उपलक्ष में दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। संस्था द्वारा महिलाओं, युवतियों और बच्चियों के मानसिक, शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही सामाजिक उत्थान के लिए काम किया जाता है।

अपराजिता वेलफेयर फाउंडेशन की संस्थापिका रजनी सिन्हा ने बताया कि संस्था द्वारा हर वर्ष की तरह इस बार भी दशहरा पूजा में दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन होटल ब्लेसिंग बेल्स में कया जा रहा है।

जहाँ बच्चों के लिए और महिलाओं के लिए अलग-अलग बहुत सारे कार्यक्रम

रखे गये हैं। 18-20 स्टॉल लगाये जा रहे हैं। सुबह और शाम के समय आरती और पूजा कार्य भी होगा। फिर को शाम के समय धनुष आरती का आयोजन भी किया जायेगा। इस प्रदर्शनी के दौरान कार्यक्रम की मुख्य प्रस्तुति के रूप में धुनुची आरती का आयोजन भी किया जायेगा।

कृषि विभाग के दल पहली बार किया माणा गांव का भ्रमण

संवाददाता

देहरादून। कृषि विभाग के 12 सदस्य दल ने प्रथम बार माणा गांव का भ्रमण कर कृषि मंत्री गणेश जोशी से भेंट की।

आज यहां प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी से कैंप कार्यालय में बीते 13 अक्टूबर को रवाना हुई उत्तराखण्ड जैवप्रोद्योगिकी परिषद द्वारा प्रारंभ किए गये भारत के प्रथम गाँव- माणा के द्वार की यात्रा पूरी करने के उपरांत परिषद के निदेशक डॉ संजय कुमार के साथ उनकी टीम ने भेंट की।

इस अवसर पर कृषि मंत्री ने टीम का उत्साहवर्धन किया। गौरतलब है कि कृषि विभाग द्वारा प्रथम बार भारत के प्रथम गांव माणा में 12 सदस्य दल द्वारा भ्रमण किया गया। यह भ्रमण 13 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक आयोजित किया गया। परिषद द्वारा भारत के प्रथम गांव माणा में परिषद की टीम द्वारा क्षेत्र की जल गुणवत्ता, मिट्टी की गुणवत्ता कि जाँच की गई, लोगों के स्वस्थ को ध्यान में रखते हुए उनका खून की जाँच, ब्लड ग्रुप की जाँच कि गई।

साथ ही उनकी खेती को ध्यान में रखते हुए उन्हें उच्च गुणवत्ता युक्त बीज भी वितरित किए गये, इसके अतिरिक्त टीम ने क्षेत्र की महत्तपूर्ण प्राकर्तिक वनस्पतियों को संरक्षित करने व उपज बढ़ाने हेतु सर्वे किया। जिसका लाभ अनेकों प्रकार की दवाइयाँ बनाने तथा लोगो की आजीविका बढ़ाने में प्रयोग किया जाएगा। टीम के सदस्य डॉ सुमित पुरोहित, जितेंद्र सिंह बोहरा, सचिन शर्मा, अनुज कुमार, लोकेश त्रिपाठी, धीरज सुठा, चांदनी जोशी, सोनाली, प्रियदर्शिनी, मेधा, मदन सिंह नेगी, विवेकानंद आदि रहे।

होम स्टे पर पुलिस की छापेमारी, दो के किये चालान

नैनीताल। होम स्टे पर छापेमारी करते हुए एण्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग फोर्स द्वारा अनियमिताए पाये जाने पर दो के चालान कर दिये है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एण्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग फोर्स द्वारा हल्द्वानी क्षेत्र के होमस्टे में चौकिंग की गई। थाना काठगोदाम क्षेत्र में चेकिंग में 2 होम स्टे श्री राम होमस्टे, नयनतारा होमस्टे के रजिस्टरों में अपूर्ण प्रविष्टियां पाई गई तथा ग्राहकों का विवरण मांगने पर प्रस्तुत न करने पर पुलिस अधिनियम के अन्तर्गत दो लोगों के खिलाफ चालानी कार्यवाही की गई है। जिनके नाम देवेंद्र खत्री पुत्र स्वर्गीय त्रिलोक सिंह निवासी श्री राम होमस्टे शीश महल काठगोदाम व हिमांशु बोहरा पुत्र स्वर्गीय ओ.एस. बोहरा नयनतारा होमस्टे 2 बायपास रोड काठगोदाम नियर नरीमन तिराहा बताये जा रहे है। जिनके खिलाफ 5000-5000 रुपये के नगद चालान किये गये है। साथ ही भविष्य नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करने की हिदायत दी है।

एक नजर

जातीय जनगणना पर भाजपा व कांग्रेस में वार पलट वार

देहरादून। बिहार में कराई गई जाती है सर्वे के बाद अब उत्तराखंड की सियासत भी इस मुद्दे पर गर्माती जा रही है। भाजपा व कांग्रेस के नेताओं के बीच जातीय जनगणना को लेकर वाक युद्ध शुरू हो गया है।

पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत का कहना है कि देश में जातीय जनगणना जरूरी है जिससे कम से कम इस बात की जानकारी हो सकेगी की किस जाति के लोगों की संख्या बीते 75 सालों में कितनी घटी या बढी है। तथा किस जाति के लोगों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति क्या है? उनका कहना है कि उनकी समझ से परे है कि इस बात से किसी को भी क्या एतराज होना चाहिए। आजादी के 75 साल बाद किसके हालत बेहतर हुए और किसके बदतर हुए इसकी जानकारी या यूं कहें कि सही जानकारी होने पर सरकार गरीबों के लिए बनने वाली कल्याणकारी योजनाएं बन सकती है और जो विकास की दौड़ में पिछड़ रहे हैं उन्हें बराबरी पर लाए या सहायता पहुंचाने का काम किया जा सकता है। उनका कहना है कि इसके माइक्रो अध्ययन के लिए देश में जातीय जनगणना जरूरी है।

हरीश रावत का यह बयान भाजपा नेताओं को कतई भी रास नहीं आ रहा है काबीना मंत्री सुबोध उनियाल का कहना है कि कांग्रेस जातीय जनगणना की बात अपने चुनावी फायदे के लिए कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व इस मुद्दे पर जो भी फैसला लेगा प्रदेश भाजपा के नेता उसी के अनुसार आगे का काम करेंगे। इस पर केंद्र सरकार को फैसला लेना है।

16 साल से फरार हत्या के प्रयास के आरोपी ने न्यायालय में किया सरेंडर

देहरादून(संवाददाता)। 16 साल से फरार चल रहा हत्या के प्रयास के आरोपी ने न्यायालय में सरेंडर कर दिया। पुलिस हाथ मलती रह गयी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 मई 07 को कैप्टन जेएस गिल द्वारा थाना नेहरू कॉलोनी में सरदार भगवान सिंह पीजी बालावाला के अध्यक्ष एसपी सिंह पर ईशान त्यागी पुत्र चौधरी वीरेंद्र त्यागी तथा मौसम शर्मा पुत्र राम किशोर शर्मा द्वारा जान से मारने की नीयत से गोली चलाने के संबंध में तहरीर दी गई थी, जिस पर थाना नेहरू कॉलोनी पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना में दोनों आरोपियों के विरुद्ध वर्ष 2007 में आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किये गए थे। उसके बाद से दोनों आरोपी लगातार फरार चल रहे थे, जिनमें विरुद्ध न्यायालय द्वारा पूर्व में गैर जमानती वारेंट जारी किए गए थे, पूर्व में आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु दी गई दबिश के दौरान पुलिस टीम को जानकारी प्राप्त हुई थी कि मौसम शर्मा की मार्च 2023 में मुजफ्फरनगर में एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, परंतु दूसरा आरोपी ईशान त्यागी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था।

वांछित आरोपी की गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी थाना प्रभारियों को कड़े निर्देश निर्गत किये गए है, जिसके क्रम में थानाध्यक्ष नेहरू कॉलोनी द्वारा वारण्टीयों की गिरफ्तारी हेतु अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु मुजफ्फरनगर स्थित उसके घर तथा अन्य संभावित ठिकानों पर लगातार दबिशें दी गई, पुलिस द्वारा की जा रही लगातार कार्यवाहियों से आरोपी ईशान त्यागी ने गिरफ्तारी के डर से 16 वर्ष बाद 18 अक्टूबर 23 को न्यायालय एसीजीएम द्वितीय देहरादून के समक्ष आत्मसमर्पण किया गया।

डेंगू व मलेरिया के लिये भी टीका बनाया जाये

देहरादून। नेता जी संघर्ष समिति ने डेंगू व मलेरिया की रोकथाम के लिए टीका बनाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन भेजा। आज यहां देहरादून में नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डडरियाल ने बताया कि उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से एक ज्ञापन भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्री एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन दिल्ली को प्रेषित किया है तथा ज्ञापन में मांग की गई है कि जिस प्रकार कोरोना को हराने के लिए टीका बनाया गया इस प्रकार डेंगू और मलेरिया को भी हराने के लिए टीका बनाया जाए ताकि डेंगू जैसी घातक बीमारी पर नियंत्रण हो सके और लोगों को परेशानियों से बचाया जा सके

निवेशकों के मन में उत्तराखंड.....

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

अब तक संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन एवं दिल्ली में कुल मिलाकर अब तक चौवन हजार पांच सौ पचास करोड़ (54550 करोड़) के इन्वेस्टमेंट एमओयू साइन किए जा चुके हैं। जिसमें यूएई में 15475 करोड, ब्रिटेन में 12500 करोड़ एवं ब्रिटेन में 12 हजार 500 करोड़ एवं दिल्ली में आयोजित दो अलग-अलग कार्यक्रमों में 26,575 करोड़ के एमओयू (4 सितंबर को 7600 करोड़ एवं 4 अक्टूबर को दिल्ली रोड शो के दौरान 18975 हजार करोड़ रूपये) किये जा चुके हैं।

टाइगर सफारी घोटाले में सीबीआई सख्त, कई अधिकारियों से की पूछताछ

विशेष संवाददाता

देहरादून। बहुचर्चित पाखरो टाइगर सफारी घोटाले की जांच में जुटी सीबीआई अब फुल एक्शन मोड में आ चुकी है। सीबीआई द्वारा बेल पर रिहा हुए तत्कालीन डीएफओ किशन चंद और रेंजर बृज बिहारी से पूछताछ के साथ ही अब फॉरेस्ट चीफ अनूप मलिक से भी लंबी पूछताछ की गई है।

जानकारी के अनुसार सीबीआई द्वारा इस मामले में वन विभाग के कई अधिकारियों से उनके घर जाकर तथ्य जुटाए जा रहे है तथा पूछताछ की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि 2019 में कालागढ़ क्षेत्र की पाखरो रेंज में 106 हेक्टेयर वन भूमि पर कार्बेट टाइगर सफारी का निर्माण कार्य बिना शासन की वित्तीय अनुमति के कराया गया था जिसके लिए 6000 से अधिक पेड़ों का कटान किया गया तथा व्यापक स्तर पर निर्माण कार्य में धांधली का मामला सामने आया था। सरकार द्वारा इस प्रकरण की जांच पहले विजिलेंस को सौंपी गई। जिसने किशनचंद और बृज बिहारी शर्मा के खिलाफ प्राथमिक दर्ज कराई थी तथा उन्हें जेल भेज दिया गया था जो जमानत पर बाहर आ गए थे। हाई कोर्ट द्वारा इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने के बाद अब इस मामले में तेजी से कार्रवाई होती दिख रही है।

डॉ हरक सिंह जो उसे समय वन मंत्री थे उन पर भी इस घोटाले में शामिल होने के आरोप है। उनके ठिकानों पर बीते दिनों हुई छापेमारी

में सरकारी धन से खरीदे गए हैवी जनरेटर पकड़े गए थे। सीबीआई अब इस मामले में वन विभाग के उच्च अधिकारियों से पूछताछ करने में जुटी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीबीआई ने वन विभाग के चीफ अनूप मलिक सहित कई लोगों से पूछताछ की है अगर इस पूछताछ में सीबीआई कड़ियों को जोड़ पाती है तो ऐसी स्थिति में तत्कालीन वन मंत्री डॉ हरक सिंह की मुश्किलें बढ़ सकती है।

नार्को आतंकी माड्यूल...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

इसकी गहन जांच की गई साथ ही इन अपराधियों को चिन्हित कर इन्हें पकड़ने के लिये जम्मू कश्मीर पुलिस के साथ एक ज्वांइट ऑप्रेशन जनपद उद्यमसिंह नगर में चलाया गया।जिसके फलस्वरूप 2 अपराधियों को रूद्रपुर जनपद उद्यमसिंह नगर से गिरप्तार किया गया है। जिनके पास से भारी मात्रा में उसी तरह के फर्जी कागजात, मोहरें, उनको बनाने के उपकरणों की बरामदगी हुई हैं।

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे दोनों पिछले काफी समय से जम्मू कश्मीर में पकड़े गये आरोपियो के सम्पर्क में थे तथा इस धन्धे में कई वर्षों से लगे हुये हैं।

दोनों आरोपियों को देर रात्रि जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम कृष्ण पाल पुत्र हरदयाल, निवासी पैपुरा, तहसील बिलासपुर, जनपद रामपुर, उत्तर प्रदेश व दीपचंद पुत्र गेंदन लाल, निवासी पैपुरा, तहसील बिलासपुर, जनपद रामपुर, उत्तर प्रदेश बताए जा रहे हैं।

वैष्णों देवी गुफा में विशेष शारदीय नवरात्रि पूजा अनुष्ठान

संवाददाता

देहरादून। माता वैष्णो देवी गुफा योग मन्दिर टपकेश्वर महादेव में पंचम दिवस विशेष पूजा अनुष्ठान किया गया।

आज यहां माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव पंचम दिवस माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून में आयोजित विशेष शारदीय नवरात्रि पूजा अनुष्ठान में आज पंचम दिवस बड़ी संख्या में भक्तों ने माता वैष्णो देवी की पूजा अर्चना और दर्शन किए, माता को चुन्नी, नारियल, माता का श्रृंगार अर्पित कर अपने घरों में सुख शांति और समृद्धि माता रानी से मांगी, लाल लाल चुनरी सितारों वाली जिसे ओड के आई मां शेरों वाली..... माता तेरे चरणों की धूल जो मिल जाए.....मां की हर बात निराली है..... आदि भजनों से वातावरण और भी भक्तिमय और शक्तिमय हो गया, विद्वानों ने शतचंडी पूजा अनुष्ठान के क्रम में विशेष पूजा अर्चना के साथ श्री दुर्गा सप्तशती के पाठ किए , शाम को मां वैष्णो देवी का विशेष श्रृंगार और आरती होगी। आज के कार्यक्रम में मंदिर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी, आचार्य मनोज कोठियाल आचार्य ध्रुव उप्रेती आचार्य बिपिन भट्ट शास्त्री अजय कोठियाल शास्त्री विवेकांनद खंकरियाल, शास्त्रीआशीष मिश्रा, गणेश बिजलवान, हर्षपति रयाल, अरविंद बडोनी आदि का विशेष सहयोग रहा।

18 किलो गांजे सहित दो दबोचे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में नशा तस्करी कर रहे दो लोगों को पुलिस ने 18 किलो गांजे सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम कोतवाली ज्वालापुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीली पदार्थों की डिलीवरी हेतू आने वाले हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को जटवाड़ा पुल पर दो संदिग्ध आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हें घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 18 किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम प्रवीण कुमार पुत्र नरेश कुमार निवासी ग्राम जाटोली कंकर खेड़ा जिला मेरठ उत्तर प्रदेश व विशाल पुत्र स्वर्गीय रविंद्र कुमार निवासी ग्राम हसौली शाहपुर जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश बताया।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।